TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

03 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

कलम तलवार से ज्यादा शक्तिशाली है। सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है।

सावित्रीबाई फुले

(भारत की प्रथम महिला शिक्षक)

जन्म: 03 जनवरी 1831 मृत्यु: 10 मार्च 1897

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

03 जनवरी

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार 03 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"कथनी से करनी भली"

–लोकोक्ति

"Action Speaks louder than words."

-Anonymous

"कथनी थोथी जगत में,
करनी उत्तम सार।
कहैं कबीर करनी भली,
उतरै भोजन पार।।"

– कबीर

DIWAS GYAN

आज के दिन

1957– अमेरिका के पेनसिल्वेनिया में पहली बार हैमिल्टन वॉच कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक घड़ी प्रदर्शित की गई।

1968– भारत का पहला मौसम विज्ञान रॉकेट 'मेनका' का प्रक्षेपण किया गया।

1972– प्रसिद्ध लेखक व नाटककार मोहन राकेश का निधन

2002– भारत के प्रसिद्ध रॉकेट विज्ञानी सतीश धवन का निधन

2013– भारत के प्रसिद्ध वायलिन वादक एम. एस. गोपालकृष्णन का निधन

1. **सावित्रीबाई फुले का जन्म–** सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी, 1831 ई0 को महाराष्ट्र के नयागांव में हुआ था। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं मराठी कवयित्री थीं। इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। मात्र दस वर्ष की उम्र (1941 ई.) में ही उनका विवाह ज्योतिराव फुले से हुआ।

क्या थीं– सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। 1852 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। आज से 175 साल पहले बालिकाओं के लिए स्कूल खोलना पाप समझा जाता था।

एक बार सावित्रीबाई फुले के पिता ने उन्हें अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलटते देख लिया। वे दौड़कर आये और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। इसके पीछे वजह यह थी की शिक्षा का हक केवल उच्च जाति के पुरूषों को ही है। दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप समझा जाता था। बस उसी दिन वो किताब वापस लायीं और प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वो एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी।

क्या हुई– सावित्रीबाई फुले ने 1848 ई. में पुणे में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की नौ छात्राओं के साथ एक विद्यालय की स्थापना की। सावित्रीबाई विधवा विवाह करवाने, छुआछूत मिटाने के क्षेत्र में भी कार्य किया। 28 जनवरी, 1853 ई. को गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए एक बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। सावित्रीबाई ने आत्महत्या करने जाती हुई एक विधवा ब्राह्मण महिला काशीबाई की अपने घर में डिलीवरी करवा उसके बच्चे यशवंत को अपने दत्तक पुत्र के रूप में गोद लिया। दत्तक पुत्र यशवंत राव को पाल–पोसकर इन्होने डॉक्टर बनाया। सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले ने 24 सितम्बर 1873 को सत्यशोधक समाज की स्थापना की। इस संस्था के द्वारा पहला पुनर्विवाह 25 दिसम्बर, 1873 ई. को कराया गया।

10 मार्च, 1897 ई. को प्लेग के कारण उनका निधन हो गया। प्लेग महामारी के दौरान वे मरीजों की सेवा करती थी। एक प्लेग संक्रमित बच्चे की सेवा करने के दौरान ये खुद संक्रमित हो गयीं और इनकी मृत्यु हो गयी। सावित्रीबाई फुले की जीवनी से अपने पथ पर चलते रहने की प्रेरणा मिलती है। उस दौर में वे न सिर्फ खुद पढ़ी, बल्कि दूसरी लड़कियों को भी पढ़ने का बंदोबस्त किया।

- **संदर्भ:** सावित्रीबाई फुले की जीवनी **अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 130** के संदर्भ से जोड़कर बच्चों को बतायें।

प्रणाम का महत्व

प्रणाम विनयशीलता का प्रतीक है। जितने भी महापुरूष हुए हैं वे सब के सब पहले बालक थे, किशोर थे। अतः विद्यार्थियों को सोचना चाहिए कि जब इतने सारे बालक एवं किशोर महान हो सकते हैं तो हम क्यों नहीं? अब प्रश्न है कि महान बनने के लिए क्या करें? अपने माता–पिता एवं आचार्य को प्रतिदिन प्रणाम करें, उनकी आज्ञा का पालन करें, उनकी सेवा करें, उनके अनुकूल बनें। धर्मशास्त्रों में प्रणाम की महिमा को उजागर करते हुए लिखा गया है–

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलम्।।

अर्थात् नित्य बड़ों को प्रणाम करने से, बड़े–बूढ़ों की सेवा करने से व्यक्ति की आयु, विद्या, यश और बल ये चारों चीज बढ़ते हैं।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

3 जनवरी

मधु प्रिया

सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी

सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को नायगांव (वर्तमान में सातारा जिले में) में कृषि परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम खंडोजी नेवसे पाटील और माता का नाम लक्ष्मी था। वे परिवार की सबसे बड़ी बेटी थी। उन दिनों की लड़कियों का जल्दी ही विवाह कर दिया जाता था, इसलिए प्रचलित रीति-रिवाजों के बाद नौ वर्षीय सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 वर्षीय ज्योतिराव फुले से साथ हुई। ज्योतिराव एक विचारक, लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता और जाति-विरोधी सामाजिक सुधारक थे। उन्हें महाराष्ट्र के सामाजिक सुधार आंदोलन के प्रमुख आंदोलनकारियों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की शिक्षा उनकी शादी के बाद शुरू हुई। यह उनके पति ही थे जिसने सावित्रीबाई को सीखने और लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक सामान्य स्कूल से तीसरी और चौथी की परीक्षा पास की। जिसके बाद उन्होंने अहमदनगर में मिस फरार इंस्टीट्यूशन में प्रशिक्षण लिया। ज्योतिराव अपने सभी सामाजिक प्रयासों में सावित्रीबाई के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहते थे।सावित्रीबाई के दत्तक पुत्र यशवंतराव ने एक डॉक्टर के रूप में लोगों की सेवा करना शुरू किया। जब 1897 में बुलेसोनिक प्लेग महामारी ने नालसपोरा और महाराष्ट्र के आसपास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो साहसी सावित्रीबाई और यशवंतराव ने बीमारी से संक्रमित रोगियों का इलाज करने के लिए पुणे के बाहरी इलाके में एक क्लिनिक खोला। वह इस महामारी से पीड़ितो को क्लीनिक में ले आती जहाँ उनका बेटा उन रोगियों का इलाज करता था। रोगियों की सेवा करते हुए वह खुद भी इस बीमारी की चपेट में आ गयी। 10 मार्च 1897 को सावित्रीबाई का निधन हो गया। text

जयंती विशेष 03 जनवरी

राकेश कुमार

सावित्रीबाई फुले *Savitribai Phule*, जन्म- 3 जनवरी, 1831; मृत्यु- 10 मार्च, 1897) भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रधानाचार्या और पहले किसान स्कूल की संस्थापिका थीं। महात्मा ज्योतिबा को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में माना जाता है। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है।

दिवस प्रेरणा 3

सावित्रीबाई फुले

(भारतीय समाज सुधारक)

किताब हाथ से छोनकर फेंक दिया गया ...

संघर्ष

एक बार सावित्रीबाई फ़ले के पिता ने उन्हें अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलटते देख लिया। वे दौड़कर आये और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। इसके पीछे वजह यह थी की शिक्षा का हक केवल उच्च जाति के पुरूषों को ही है। दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप समझा जाता था। बस उसी दिन वो किताब वापस लायीं और प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वो एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी। वे स्कूल जाती थी तो विरोधी लोग पत्थर मारते थे। उनपर गंदगी फेंक देते थे। सावित्रीबाई एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुँचकर गंदी कर दी गई साड़ी बदल लेती थी।

सफलता

सावित्रीबाई फ़ले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं मराठी कवयित्री बनीं। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव फ़ले के साथ मिलकर स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। सावित्रीबाई विधवा विवाह करवाने, छुआछूत मिटाने के क्षेत्र में भी कार्य किया। 28 जनवरी, 1853 को गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए एक बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने 24 सितम्बर, 1873 को सत्यशोधक समाज की स्थापना की। आज इतिहास के पन्नों में उनका नाम दर्ज है और जहाँ भी समाज सुधार की बात होती है, उनका नाम आदर सहित लिया जाता है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल.
प्रस्तुतिः टीचर्स ऑफ बिहार
ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
contact us: teachersofbihar@gmail.com

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 03.01.2025

व्यक्तित्व उन्नयन कौशल

व्यक्तित्व विकास कौशल वे विशिष्ट योग्यताएँ, गुण और व्यवहार हैं जिन्हें व्यक्ति अपने व्यक्तित्व को बेहतर बनाने के लिए विकसित कर सकता है। इन कौशलों में आत्म-जागरूकता, संचार कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूलनशीलता, दृढ़ता, समय प्रबंधन, नेतृत्व, समस्या-समाधान, निर्णय लेना और टीम वर्क आदि शामिल हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

जापान की राजधानी टोक्यो इतना ज्यादा safe है कि यह पर 6 साल तक का बच्चा भी Public transport में आसानी से घूम सकता है।

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

अर्जुन अवार्ड 2024

1. ज्योति याराजी	(एथलेटिक्स)
2. अनु रानी	(एथलेटिक्स)
3. नीतू	(बॉक्सिंग)
4. स्वीटी	(बॉक्सिंग)
5. वंतिका अग्रवाल	(चेस)
6. सलीमा टेट	(हॉकी)
7. अभिषेक	(हॉकी)
8. संजय	(हॉकी)
9. जरमनप्रीत सिंह	(हॉकी)
10. सुखजीत सिंह	(हॉकी)
11. राकेश कुमार	(पैरा आर्चरी)
12. प्रीति पाल	(पैरा एथलेटिक्स)
13. जीवांजी दीप्ति	(पैरा एथलेटिक्स)
14. अजीत सिंह	(पैरा एथलेटिक्स)
15. सचिन सरजेराव खिलारी	(पैरा एथलेटिक्स)
16. धरमबीर	(पैरा एथलेटिक्स)
17. प्रणव सूरमा	(पैरा एथलेटिक्स)

18. एच होकातो सेमा	(पैरा एथलेटिक्स)
19. सिमरन	(पैरा एथलेटिक्स)
20. नवदीप	(पैरा एथलेटिक्स)
21. नीतेश कुमार	(पैरा बैडमिंटन)
22. थुलसिमति मुरुगेसन	(पैरा बैडमिंटन)
23 नित्या	(पैरा बैडमिंटन)
24 मनीषा रामदास	(पैरा बैडमिंटन)
25 कपिल परमार	(पैरा जूडो)
26 मोना अग्रवाल	(पैरा शूटिंग)
27 रुबीना फ्रांसिस	(पैरा शूटिंग)
28 स्वप्निल कुसाले	(शूटिंग)
29 सरबजोत सिंह	(शूटिंग)
30 अभय सिंह	(स्क्वैश)
31 सजन प्रकाश	(स्विमिंग)
32 अमन सेहरावत	(रेसलिंग),
33 सुचा सिंह	(एथलेटिक्स)
34 मुरलीकांत राजाराम पेटकर	(पैरा स्विमिंग)

ToBTLM 158

कार्बन एवं उसके यौगिक

कक्षा 10

प्रयोगशाला में मीथेन गैस का निर्माण

मीथेन एक रंगहीन , गंधहीन और अत्यधिक ज्वलनशील गैस है।
यह कार्बन और हाइड्रोजन से मिलकर बनी होती है।
यह प्राकृतिक गैस का मुख्य घटक है।
यह कार्बन डाइऑक्साइड के बाद दूसरा सबसे ज़्यादा पाई जाने वाली ग्रीन हाउस गैस है।

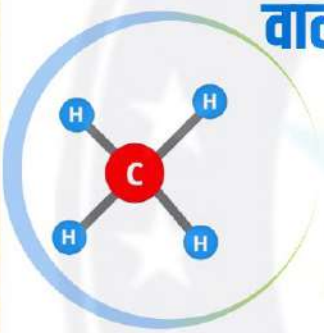

अभिकारक : 1. सोडियम इथेनोएट (सोडियम एसिटेट)
2. सोडा लाइम

सोडा लाइम सोडियम हाइड्रोक्साइड और कैल्शियम ऑक्साइड का मिश्रण है।

क्रियाविधि :

जब सोडियम इथेनोएट और सोडा लाइम के मिश्रण को बूंसेन बर्नर की सहायता से एक परखनली में गर्म किया जाता है तो मीथेन गैस और सोडियम कार्बोनेट बनता है। मीथेन गैस को जल के विस्थापन विधि से गैस जार में एकत्रित कर लिया जाता है।

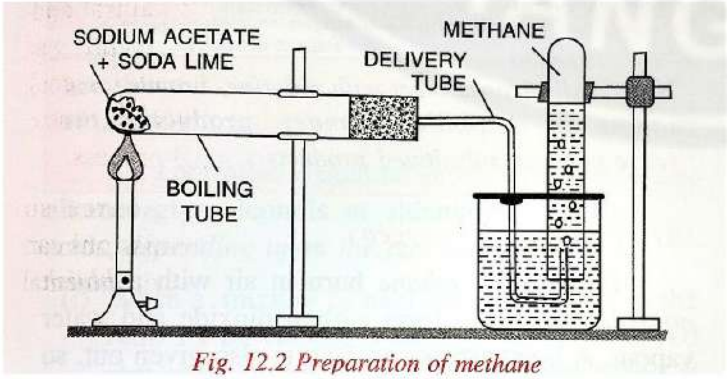

Fig. 12.2 Preparation of methane

Reaction :*

$$CH_3COONa + NaOH \xrightarrow[300°C]{CaO} Na_2CO_3 + CH_4\uparrow$$

राजेश कुमार सिंह, विज्ञान शिक्षक

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 487

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले का जन्म महाराष्ट्र के किस स्थान पर हुआ था ?

A. जलगांव

B. नासिक

C. पुणे

D. सतारा

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: D

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

03 जनवरी

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले

की जयंती पर उन्हें सादर नमन

3 जनवरी 1831 - 10 मार्च 1897

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

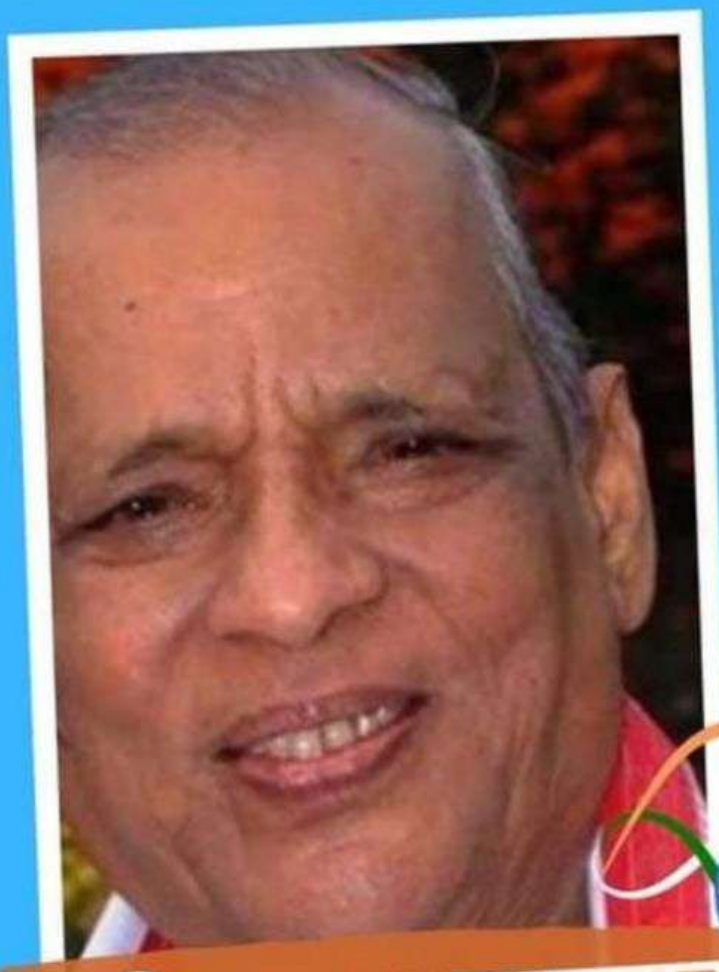

जानकी बल्लभ पटनायक

जन्म- 3 जनवरी 1927

मृत्यु- 21 अप्रैल 2015

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

/teachersofbihar

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले
3 जनवरी 1831 – 10 मार्च 1897
Madhu priya
/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
ललित नारायण मिश्र
2 फरवरी 1923 – 3 जनवरी 1975
Madhu priya
/teachersofbihar

02 जनवरी

एकांतता मायने रखती है, कुछ लोगों के लिए
यह उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी सांस लेने के लिए हवा।

विश्व अंतर्मुखी दिवस

की सभी को हार्दिक बधाई।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya